



Ministry of Labour & Employment

Expert Group unveils report on base revision of Wage Rate Index (WRI) to 2016=100 from base 1963-65=100.

Expert Group also releases Wage Rate Index (WRI) from July 2016 to July 2020 based on new series 2016=100



report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

Prof. S.P.Mukherjee, Chairman of Expert Group on Minimum Wages & National Floor Wages, Dr G.C.Manna, Chairman of Technical Advisory Committee of Wage Rate Index, DPS Negi, Principal Advisor, Ministry of Labour & Employment, Sibani Swain, Additional Secretary, Ministry of Labour & Employment, Vibha Bhalla, Joint Secretary, Ministry of Labour & Employment and I.S. Negi, DGLB & other members of Expert Group released the new series of Wage Rate Index (WRI) with base year 2016=100, being compiled and maintained by Labour Bureau, an attached office of Ministry of Labour & Employment. The new series of WRI with base 2016=100 will replace the old series with base 1963-65=100.

न्यूनतम मजदूरी एवं राष्ट्रीय आधार मजदूरी पर विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष प्रो. एस. पी. मुखर्जी, मजदूरी दर सूचकांक की तकनीकी सलाहकार समिति के चेयरमैन डॉ. जी. सी. मन्ना, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के प्रधान सलाहकार डी. पी. एस. नेगी, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुश्री सिबानी स्वैन, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में संयुक्त सचिव विभा भल्ला, डीजीएलबी आई. एस. नेगी और विशेषज्ञ समूह के अन्य सदस्यों ने आधार वर्ष 2016=100 के साथ मजदूरी दर सूचकांक (डब्ल्यूआरआई) की नई श्रृंखला जारी की जिसे श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय श्रम ब्यूरो द्वारा संकलित और अनुरक्षित किया जा रहा है। आधार 2016=100 के साथ डब्ल्यूआरआई की नई श्रृंखला 1963-65=100 आधार के साथ पुरानी श्रृंखला को बदल देगी।

report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

- **DPS Negi, Principal Advisor, Ministry of Labour & Employment lauded the efforts of Labour Bureau for their steadfastness and exemplary role which have finally culminated in the release of updated series of WRI. While admiring the efforts, he also stressed upon the need for data on all aspects of labour as it will be crucial to serve as inputs in policy making and this justifies the existence of an organization like Labour Bureau. With the ever increasing importance of data in the times to come coupled with the fact that India is a labour abundant nation, a dedicated organization for labour and price statistics like the Labour Bureau merits strengthening.**
- **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के प्रधान सलाहकार डी. पी. एस. नेगी ने श्रम ब्यूरो के प्रयासों की और उनकी दृढ़ता एवं अनुकरणीय भूमिका की सराहना की जिसके कारण अंततः डब्ल्यूआरआई की अद्यतन श्रृंखला जारी हो सकी है। इसके लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने श्रम के सभी पहलुओं पर डेटा की आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि नीति निर्माण के दौरान इनपुट के रूप में वह काफी महत्वपूर्ण होगा और यह श्रम ब्यूरो जैसे संगठन के अस्तित्व को सही ठहराता है। आने वाले समय में डेटा के लगातार बढ़ते महत्व के साथ इस तथ्य को ध्यान में रखना कि भारत एक श्रम बहुल राष्ट्र है, श्रम एवं मूल्य संबंधी आंकड़ों के लिए श्रम ब्यूरो जैसा एक समर्पित संगठन होने से मानदंडों में मजबूती आएगी।**

report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

The Report on “New Series of Wage Rate Index (Base 2016=100)” is an important publication meant to give insights into the concepts, definitions and methodology related to the new series of WRI with 2016 as base year. This will serve as a useful reference book for researchers, academicians, scholars and all other stakeholders of WRI.

'मजदूरी दर सूचकांक की नई श्रृंखला (आधार 2016=100)' पर जारी यह रिपोर्ट आधार वर्ष 2016 के साथ डब्ल्यूआरआई की नई श्रृंखला से संबंधित अवधारणाओं, परिभाषाओं और कार्यप्रणाली को समझने लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, विद्वानों और डब्ल्यूआरआई के अन्य सभी हितधारकों के लिए एक उपयोगी संदर्भ पुस्तक के रूप में काम करेगी।

report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

The Government of India periodically revises the base year for major economic indicators to reflect the changes in the economy and to capture the wage pattern of workers./भारत सरकार समय-समय पर प्रमुख आर्थिक संकेतकों के लिए आधार वर्ष में संशोधन करती है ताकि अर्थव्यवस्था में बदलाव को प्रतिबिंबित किया जा सके और श्रमिकों के वेतन पैटर्न को समझा जा सके।

Thus, as per the recommendations of International Labour Organization (ILO), National Statistical Commission (NSC) etc. the base year of Wage Rate Index numbers has been revised from 1963-65=100 to 2016=100 by the Labour Bureau, Ministry of Labour & Employment to enhance the coverage and to make index more representative.

इस प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) आदि की सिफारिशों के अनुसार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत श्रम ब्यूरो द्वारा मजदूरी दर सूचकांक के लिए आधार वर्ष को 1963-65=100 से संशोधित कर 2016=100 कर दिया गया है। इससे इसके कवरेज बढ़ाने और सूचकांक के प्रतिनिधित्व को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

Key Highlights / मुख्य बातें

Article in
News

- The New WRI Series with base 2016=100 would be compiled twice a year on point-to-point half yearly basis, **as on 1st January and 1st July of every year**. Some of the major improvements made under the new series of WRI (2016=100) vis-à-vis old series (1963-65=100) are as under:
- आधार 2016=100 के साथ नई डब्ल्यूआरआई श्रृंखला हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को बिंदु-दर-बिंदु अर्ध-वार्षिक आधार पर वर्ष में दो बार संकलित की जाएगी। पुरानी श्रृंखला (1963-65=100) की तुलना में डब्ल्यूआरआई (2016=100) की नई श्रृंखला के तहत किए गए प्रमुख सुधार इस प्रकार हैं:
- The weighting diagram in the new WRI series has been prepared from the results of the Occupational Wage Survey (Seventh) round.
- नई डब्ल्यूआरआई श्रृंखला में भार आरेख व्यावसायिक वेतन सर्वेक्षण (सातवें) दौर के परिणामों के आधार पर तैयार किया गया है

report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

A total of 37 industries have been covered in the new WRI basket (2016=100) as against 21 industries in the 1963-65=100 series.

नई डब्ल्यूआरआई बास्केट (2016=100) में कुल 37 उद्योगों को कवर किया गया है जबकि 1963-65=100 श्रृंखला में 21 उद्योगों को शामिल किया गया है।

The selected 37 industries in the new series are categorized as 30 industries from Manufacturing sector, 4 industries from Mining Sector and 3 industries from Plantation Sector as compared to 14 industries from Manufacturing sector, 4 industries from Mining Sector and 3 industries from Plantation Sector in the old series.

नई श्रृंखला के तहत चयनित 37 उद्योगों में विनिर्माण क्षेत्र से 30 उद्योग, खनन क्षेत्र से 4 उद्योग और बागान क्षेत्र से 3 उद्योग को शामिल किया गया है जबकि पुरानी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र से 14 उद्योग, खनन क्षेत्र से 4 उद्योग और बागान क्षेत्र से 3 उद्योग शामिल किए गए थे।

report on base revision of Wage Rate Index (WRI)

Article in
News

In the new WRI basket, the current wage data has been collected from 2881 units under 37 selected industries as against to 1256 units under 21 industries in the old series of WRI.

नए डब्ल्यूआरआई बास्केट में मौजूदा मजदूरी डेटा को 37 चयनित उद्योगों के तहत 2,881 इकाइयों से एकत्र किया गया है, जबकि डब्ल्यूआरआई की पुरानी श्रृंखला में 21 उद्योगों के तहत 1,256 इकाइयों से डेटा संग्रह किया गया है।

About 700 occupations have been covered under 37 selected industries in new series of WRI (2016=100).

डब्ल्यूआरआई (2016=100) की नई श्रृंखला में 37 चयनित उद्योगों के अंतर्गत लगभग 700 व्यवसायों को शामिल किया गया है।

Manufacturing Sector विनिर्माण क्षेत्र

Article in
News

Sixteen new Manufacturing Industries have been added in the new series of WRI basket, viz. Synthetic Textiles, Textile Garments, Printing and Publishing, Footwear, Petroleum, Chemical & Gases, fertilizers, Drugs & Medicines, Iron & Steel, Electrical Apparatus, Motor Vehicles, Motor Cycles, Tea Processing, Tyres & Tubes, Milk Products and Plastic Articles.

डब्ल्यूआरआई बास्केट की नई श्रृंखला में 16 नए विनिर्माण उद्योग जोड़े गए हैं जिनमें सिंथेटिक टेक्सटाइल्स, टेक्सटाइल गारमेंट्स, प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग, फुटवियर, पेट्रोलियम, रसायन एवं गैसे, उर्वरक, दवा एवं औषधि, लौह एवं इस्पात, इलेक्ट्रिकल अप्लायंसेज, मोटर वाहन, मोटर साइकिल, चाय प्रसंस्करण, टायर्स एंड ट्यूब्स, दुग्ध उत्पाद और प्लास्टिक के सामान शामिल हैं।

Mining Sector खनन क्षेत्र

Article in
News

In the new series, Oil Mining Industry has been newly introduced in the basket in place of Mica Mines Industry, to make mining sector more representative of the three different kinds of Mining viz. Coal, Metal and Oil.

नई श्रृंखला में तेल खनन उद्योग को शामिल किया गया है ताकि खनन क्षेत्र को खनन के तीन अलग-अलग प्रकारों- कोयला, धातु एवं तेल के लिए कहीं अधिक प्रतिनिधि बनाया जा सके।

Plantation Sector बागान क्षेत्र

Article in
News

Three plantation industries namely Tea, Coffee and Rubber have been retained in the new WRI basket with enhanced coverage.

तीन बागान उद्योग यानी चाय, कॉफी और रबड़ को नए डब्ल्यूआरआई बास्केट में व्यापक कवरेज दिया गया है।

WRI Index

डब्ल्यूआरआई सूचकांक

The All India Wage Rate Index Number for all the 37 industries stood at 119.7 in 2020 (half yearly 2) which shows an increment of 1.6 per cent over the index in 2020 (half yearly 1).

सभी 37 उद्योगों के लिए अखिल भारतीय वेतन दर 2020 (दूसरी छमाही) में 119.7 थी जो 2020 (पहली छमाही) के सूचकांक की तुलना में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

